हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 13 अप्रैल 2026

13 गेहूं उठान के पास रात 12 बजे तक देने की मांग

14 12 घंटों के भीतर 3 इवेंट में जीते बीआरजी के धावक

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के फेज-3 का ड्रा आज

झज्जर। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के फेज-3 के अंतर्गत जिले के छह गांवों के पात्र परिवारों को प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। इस संबंध में ड्रॉ का आयोजन सोमवार दोपहर 12 बजे नेहरू कॉलेज के सभागार में किया जाएगा। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्लेटफॉर्म के माध्यम से डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल की अध्यक्षता में ड्रॉ निकाला जाएगा। इस प्रक्रिया में संबंधित अधिकारी और लाभार्थी उपस्थित रहेंगे। चयनित गांवों में गोयला कलां, लुक्सर, बाकरा, सिवाना, बिरधाना और उखलचना शामिल हैं। योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को निर्धारित मानदंडों के आधार पर प्लॉट आवंटित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार कर जरूरतमंद परिवारों को अपना घर उपलब्ध कराना है।

आसौदा में दर्जनों एकड़ गेहूं की फसल में लगी आग, दमकल की 6 गाड़ियां पहुंचीं

हाईटेंशन लाइन के नीचे गेहूं जलकर राख

- 20-25 ट्रैक्टरों की मदद से किसानों ने खेतों को जोतकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, मुआवजे की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव आसौदा में रविवार को गेहूं के खेतों में भीषण आग लग गई, जिससे लगभग तैयार फसल जलकर राख हो गई। आग महराले वाले मुख्य गोंडा की ओर से शुरू होकर दादा जमन वाले मुख्य मार्ग तक फैल गई और देखते ही देखते बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

रविवार को आग लगते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अनेक ग्रामीण, महिलाएं और बच्चे ट्रैक्टर, पानी की बाल्टियां व अन्य साधन लेकर खेतों की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी, जिसके बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब 20 से 25 ट्रैक्टरों की मदद से किसानों ने खेतों को जोतकर भान बनाया और पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया, नहीं तो सैकड़ों एकड़ फसल के जल जाती।

ग्रामीणों के अनुसार आग लगने का कारण खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को माना जा रहा है। बताया गया कि आग सबसे पहले तारों के नीचे वाले खेतों में लगी और फिर तेजी से चारों ओर फैल गई। इस हादसे में गांव आसौदा के किसानों को भारी नुकसान हुआ है। गेहूं की तैयार फसल नष्ट होने से कई परिवारों के सामने पशुओं के चारे की समस्या भी खड़ी हो गई है। किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

बहादुरगढ़। आसौदा के खेतों में आग को बुझाने का प्रयास करते दमकलकर्मी।

बामड़ोली में प्लास्टिक कबाड़ में लगी भीषण आग

बहादुरगढ़। क्षेत्र के गांव बामड़ोली में रविवार रात एक भूखंड पर रखे प्लास्टिक कबाड़ में अचानक आग लग गई। जानकारी के अनुसार यहां बड़ी मात्रा में पीवीसी वेस्ट जमा किया गया था, जिसमें रात करीब 9 बजे आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और प्लास्टिक कबाड़ धू-धू कर जलने लगा। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। वहीं ग्रामीणों ने भी अपने स्तर पर पानी व अन्य संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की। हालांकि आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में पूरा प्लास्टिक वेस्ट जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, जिसकी जांच की जा रही है।

एशियन चैंपियनशिप में अमन सहरावत ने जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

किर्गिस्तान में आयोजित सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में झज्जर जिले के गांव बिरोहड़ के ओलंपियन पहलवान अमन सहरावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की झोली में सिल्वर मेडल डाला है। अमन सहरावत इससे पहले भी ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियन स्तर की प्रतियोगिताओं में भारत का नाम रोशन कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि ने एक बार फिर जिले का मान बढ़ाया है।

अमन सहरावत।

बता दें कि 6 अप्रैल से शुरू हुई इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में अमन ने 61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल भार वर्ग में शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने कोरिया के पहलवान चांगसु किम को 11-0 के बड़े अंतर से हराकर अपनी ताकत का एहसास कराया। इसके बाद सेमीफाइनल में ईरान के मजबूत पहलवान अहमद मोहम्मद नेजहादजावन के खिलाफ कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें अमन ने 11-9 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में अमन का सामना उत्तर कोरिया के पहलवान से हुआ। यह मुकाबला बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर वाला रहा, जिसमें दोनों पहलवानों ने जोरदार दांव-पेच दिखाए। अंततः अमन 13-10 के अंतर से मुकाबला हार गए, लेकिन देश के लिए सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहे। अमन की इस शानदार कामयाबी पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों, कोचों और समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में गोल्ड जीतने की शुभकामनाएं दी हैं।

सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार पूर्व सूबेदार की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के खेड़ी-खातीवास गांव मार्ग पर हुई एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में पूर्व सूबेदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान मूल रूप से सफीपुर गांव निवासी करीब 52 वर्षीय सतीश पुत्र सतपाल के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार पूर्व सूबेदार सतीश सेवानिवृत्ति के बाद शहर के आर्य नगर स्थित मकान में रहते थे। वे शनिवार को अपनी स्कूटी पर सवार होकर पैतृक गांव सफीपुर में फसलों व घर की देखभाल के संबंध में गए थे। शाम को जब वे स्कूटी पर वापिस लौट रहे थे तो उनके आगे चल रहे ट्रैक्टर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए और उनकी स्कूटी ट्रैक्टर में जा घुसी। इस टक्कर के बाद वे स्कूटी सहित सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों द्वारा उन्हें उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा रविवार की सुबह मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया। इस संबंध में मृतक के पुत्र जतिन की शिकायत पर आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व सूबेदार सतीश।

- सफीपुर गांव के खेतों से लौटते समय आगे चल रहे ट्रैक्टर ने अचानक ब्रेक लगाए

किरायेदारों के बीच विवाद में युवक को मारा चाकू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के छोटूराम नगर में रविवार सुबह एक मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। एक प्रवासी किरायेदार ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार मूल रूप से बिहार के बक्सर का रहने वाला जितेंद्र तथा उत्तरप्रदेश के गौरखपुर का रहने वाला सुनील वर्तमान में छोटूराम नगर में किराये पर रहते हैं। दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी के दौरान मामला इतना बढ़ गया कि सुनील ने जितेंद्र पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में जितेंद्र के पेट और पीठ पर चोटें आई हैं। घायल अवस्था में जितेंद्र को तुरंत नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

घायल जितेंद्र।

कार्यक्रम में मारपीट पर विधायक वत्स पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

करीब एक सप्ताह पूर्व सेक्टर नौ स्थित भगवान परशुराम भवन शिलान्यास कार्यक्रम में ब्राह्मण महासभा के महासचिव संत सुरेहती के साथ हुई मारपीट मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा संत सुरेहती की शिकायत पर बादली से विधायक कुलदीप वत्स, उनके परिजनों व समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बादली से विधायक कुलदीप वत्स ने पूरे मामले को राजनीतिक षड्यंत्र का हिस्सा बताया और कहा कि पूरा विवाद पहले से ही तय था। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता सबूत दे, कार्रवाई वे स्वयं करवाएंगे। उधर, इस मामले में बादली से पूर्व विधायक नरेश शर्मा ने कहा कि यह विवाद केवल कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक रूप से भी संवेदनशील बन चुका है, इसलिए वे आध्यात्मिक तरीके से भी समाधान की दिशा में प्रयास करेंगे। प्रयास रहेगा कि विवाद न बढ़े और समाज में शांति बनी रहे।

- वत्स ने पूरे मामले को राजनीतिक षड्यंत्र बताया

ORTHO-MUSCULOSKELETAL
(हड्डी-जोड़ रोग)

जोड़ क्यों बदलवायें ?
स्पोर्ट्स इंजरीज, मेनिस्कस-लिगामेन्ट टियर में ऑपरेशन क्यों ?
जब अथर्व है
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, माईग्रेन, लकवा, नसों की कमजोरी आदि।
Joints-Backpain, Disc, Cervical, Arthritis, Gout, Migraine, Hemi-Para Plegias etc.
पेन किलर-साईडइफैक्टस नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद नो साईडइफैक्टस ईलाज

GYNAE-OBS
(स्त्री-प्रसूति रोग)

बाँझपन → मातृत्व
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाईब्राइड आदि में ऑपरेशन क्यों ?
PCOD/PCOS की टैंशन क्यों ?
जब
अथर्व आयुर्वेद है
Qualified Ayurvedic Specialists
की देखरेख में शुद्ध आयुर्वेद व पंचकर्म द्वारा
अलग लेवल का अनुभव पाएं

ANORECTAL

बवासीर, फिशर भगंदर, एनोरेक्टल समस्याएँ
आयुर्वेद-पंचकर्म से दोबारा नहीं

गुर्दे-शुगर-बी. पी.
बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं
- थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एक्जिमा आदि चमड़ी रोग
- खाँसी, दमा आदि छाती रोग

अन्य सभी रोगों का बिना साइडइफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी में।

अथर्व जरा हटके
- आपके लिए सबसे बढ़िया सुविधाएं
- कवालिफाईड, अनुभवी, स्पैशलिस्ट-डॉक्टर्स एवं थैरेपिस्ट
- आधुनिक, सुसज्जित पंचकर्म थैरेपी रूम्स-केरल जाने की जरूरत नहीं।
- आपके बजट अनुसार जनरल वार्ड, सैमी प्राईवेट, प्राईवेट, डीलक्स, सुपर डीलक्स रूम्स।

असली आयुर्वेद अथर्व आयुर्वेद
Ayurved With A Difference
Experience It

सभी पैनल्स पर आपकी सेवा में
CGGS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim
& Many Others.

अथर्व™ आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल
छोटू राम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
01262-257211, 8053988881, 8053128881

लोक संस्कृति के स्तंभ: मास्टर सतबीर सिंह

उनकी गायकी में न केवल शुद्धता थी, बल्कि पूर्ण जोश और होश का अद्भुत समन्वय भी देखने को मिलता था। उनकी गायन शैली अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण थी। उनके सुरों में सादगी, भावनाओं में गहराई और प्रस्तुति में सहजता दिखाई देती थी। वे रागनी, भजन और लोकगीतों को ऐसी आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करते थे कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि सच्चे कलाकार कभी मरते नहीं, वे अपने गीतों और अपने संस्कारों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में मास्टर सतबीर सिंह की समृद्ध, गौरवशाली संगीत-परंपरा को उनके अनेक शिष्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

जयंती विशेष

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की लोक संस्कृति सदियों से अपनी सादगी, वीरता, भक्ति और लोकजीवन की सहज अभिव्यक्ति के लिए प्रसिद्ध रही है। इस सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने वाले अनेक कलाकारों ने इसे जीवंत रखा है। उन्होंने अपने सुर, ताल और साज-बाज से इसे सहेजा है और जनमानस में इसका प्रचार-प्रसार किया है। लोकसंस्कृति के चितेरे ऐसे ही महान कलाकारों में मास्टर सतबीर सिंह का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने शिक्षक और गायक दोनों ही रूपों में समाज की सेवा की और हरियाणवी लोकसंस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

मास्टर सतबीर सिंह का जन्म 13 अप्रैल 1951 को हरियाणा के भैंसवाल गांव में एक सम्मानित एवं संस्कारी परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पृथी सिंह एवं माता का नाम भरथो देवी था, दोनों ही बहुत धार्मिक और सांस्कृतिक प्रवृत्ति के थे। परिवार में आध्यात्मिकता, परंपरा और संस्कृति का वातावरण था, जिसका प्रभाव बालक सतबीर सिंह के व्यक्तित्व पर प्रारंभ से ही दिखाई देने लगा। यही कारण था कि बचपन से ही उनके भीतर संगीत, भजन और लोकसंस्कृति के प्रति गहरी रुचि पैदा हो गई। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक परिवेश से समृद्ध गांव भैंसवाल में समय-समय पर अनेक प्रतिष्ठित गायक, सांगी और भजनी अपनी मंडलियों के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करने आया करते थे। इस सजीव और सुरमयी वातावरण ने भी बालक सतबीर के कोमल मन पर गहरा प्रभाव डाला। इस प्रकार धीरे-धीरे उनकी हृदयतंत्री के तार झंकृत हो उठे। उनकी मनवीणा से सप्त-सुर फूट पड़े और वे संस्कृति के अनन्य उपासक बन गए। "जहां चाह, वहां राह" वाली उक्ति के अनुसार अब संगीत साधना को ही वे अपने जीवन का सर्वस्व मानने लगे। स्नातक पास करने के उपरांत वे सरकारी सेवा में पीटीआई के पद पर नियुक्त हुए। एक शिक्षक के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों को केवल शारीरिक शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि उनमें अनुशासन, संस्कार और देशप्रेम की भावना भी विकसित की। मास्टर सतबीर सिंह ने लोकसंस्कृति के मर्मज्ञ रामदत्त को अपना गुरु माना और उनसे लोकगायन की बारीकियां सीखी। गुरु-शिष्य परंपरा के इस संबंध ने उनके गायन को नई दिशा और गहराई प्रदान की। उन्होंने अपनी गायकी की शुरुआत वर्ष 1971 में हिसार की नील कॉलोनी में एक मंदिर निर्माण कार्यक्रम से की। यह उनके जीवन का पहला सार्वजनिक मंच था, जहां उन्होंने लगातार 11 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली रही कि न केवल सभी कार्यक्रम अत्यंत सफल हुए, बल्कि उस मंदिर का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य भी पूर्ण हो सका। इस घटना ने उनके भीतर आत्मविश्वास का संचार किया और यहीं से उनके सफल लोकगायन की यात्रा प्रारंभ हुई।

उनकी प्रतिभा को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब कुराड़ (सोनीपत) में आयोजित एक प्रतियोगिता में कई प्रतिष्ठित गायकों के बीच प्रसिद्ध सांगी जयनारायण ने उन्हें प्रथम स्थान प्रदान किया, तब उन्हें स्वयं अपनी गायन क्षमता का वास्तविक आभास हुआ। यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत बना और उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी कला को निखारना जारी रखा। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उस दौर में महाशय पालेराम हलालपुरिया, राजकिशन अगवानपुरिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, सत्ते, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया, रणबीर बड़वासणिया, राजेंद्र खरकिया, दयानन्द, बिल्लू (यू.पी.) जैसे अनेक नामी कलाकारों का हरियाणवी रागनी गायन के क्षेत्र में पदार्पण हो चुका था। ऐसे दिग्गजों के बीच मास्टर सतबीर सिंह ने अपने अद्वितीय गायन कौशल और प्रभावशाली अदायगी के बल पर एक विशिष्ट पहचान बनाई। इन सभी विख्यात कलाकारों के साथ उनके अनेक मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने अनेक बार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। अपनी कला में निपुण होने के परिणाम स्वरूप उन्हें राष्ट्रपति भवन में भी प्रोग्राम करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। महाशय पालेराम के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से श्रोताओं के दिलों में घर कर गई थी। यह अद्भुत युगलबंदी लगभग चार दशकों तक मंचों पर निरंतर अपनी छटा बिखेरती रही। उस दौर में इस जोड़ी की लोकप्रियता अपने चरम पर थी। ग्रामीण परिवेश में लोग अपने पारिवारिक उत्सवों, विशेषकर विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अत्यंत आवश्यक मानते थे। स्थिति यह थी कि यदि निर्धारित तिथि पर यह जोड़ी उपलब्ध न हो पाती, तो अनेक परिवार अपने आयोजन की तिथि तक बदल देते थे, ताकि इन दोनों प्रख्यात कलाकारों की शानदार संगीतमयी प्रस्तुति से उनका समारोह और भी भव्य बन सके। मास्टर सतबीर सिंह भैंसवालिया की विशेषता यह रही कि उन्होंने सदैव परंपरागत लोककवियों की रचनाओं को उन्हीं की बनाई, उसी मूल शैली और तर्ज में प्रस्तुत किया। वे अपने गायन में अधिकतर देसी तर्जों का ही प्रयोग करते थे। यद्यपि उन्होंने बाजे भक्त, मांगेराम, मेहरसिंह, दयाचंद, धनपत, आदि सभी प्रतिष्ठित कवियों की रचनाओं को अपना स्वर दिया लेकिन सूर्यकवि पंडित लखमीचंद की कविताई का उन पर सर्वाधिक प्रभाव था। उनकी गायकी में न केवल शुद्धता थी, बल्कि पूर्ण जोश और होश का अद्भुत समन्वय भी देखने को मिलता था। उनकी गायन शैली अत्यंत प्रभावशाली और भावपूर्ण थी। उनके सुरों में सादगी, भावनाओं में गहराई और प्रस्तुति में सहजता दिखाई देती थी। वे रागनी, भजन और लोकगीतों को ऐसी आत्मीयता के साथ प्रस्तुत करते थे कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते थे। वे मंच पर केवल मनोरंजन के लिए नहीं गाते थे बल्कि अपने गीतों के माध्यम से समाज को नैतिकता, धर्म और संस्कारों का संदेश भी देते थे। मास्टर सतबीर सिंह जीवन भर मर्यादा, संस्कार और धर्म के मार्ग पर चलते रहे। लोक गायन के मंच पर भी उन्होंने कभी अशालीनता या भद्देपन को स्थान नहीं दिया। उनका मानना था कि लोकसंगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि समाज को सही दिशा देने का माध्यम भी है। इसलिए वे अपनी रचनाओं और प्रस्तुतियों में सदैव नैतिकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को महत्व देते थे। यही कारण था कि वे अपने साथियों, शिष्यों और श्रोताओं के बीच अत्यंत सम्मानित एवं लोकप्रिय थे। हरियाणा की लोकसंस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण में उनके विशिष्ट योगदान को मान्यता देते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर मास्टर सतबीर सिंह को हरियाणा के माननीय राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समर्पित सेवाकार्य पर शासन की आधिकारिक स्वीकृति का प्रतीक था। 18 जुलाई 2016 को हरियाणा की लोक संस्कृति को एक बड़ा आघात लगा, जब मास्टर सतबीर सिंह का निधन हो गया। लगभग 65 वर्ष की आयु में उन्होंने इस संसार से अंतिम विदा ली। उनके जाने से हरियाणवी लोकगायन की दुनिया में एक ऐसी रिक्तता उत्पन्न हो गई, जिसे भर पाना आसान नहीं है। मास्टर सतबीर सिंह के श्रद्धांजलि स्वरूप उनके शिष्य और प्रसिद्ध लोककवि सुखबीर सिंह बहलंबिया द्वारा रचित अग्रदत्त पंक्तियां, केवल शोकगीत नहीं बल्कि एक युग और लोकधारा के अवसान का भावपूर्ण चित्रण है-

अठारह जुलाई सन् सोलह को,
इसी नजर फिरी भगवान की।
सुबह–सुबह धड़कन बंद होगी,
हरियाणे की श्यान की।

मास्टर सतबीर सिंह भैंसवालिया केवल एक लोकगायक ही नहीं, बल्कि एक आदर्श शिक्षक, कुशल प्रशिक्षक और लोकसंस्कृति के सच्चे संरक्षक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने गाँव में वर्षों तक अखाड़ा भी संचालित किया, जहाँ से कुश्ती के दाव-पेंच सिखाकर अनेक युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले ओलंपियन पहलवान योगेश्वर दत्त इसका जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने अपने सुरों और शब्दों के माध्यम से समाज को संस्कृति धर्म और मर्यादा का संदेश दिया। हरियाणा की सांस्कृतिक परंपरा में उनका नाम सदैव आदर और सम्मान के साथ लिया जाएगा। उनके द्वारा दी गई सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती रहेगी। उनका जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि सच्चे कलाकार कभी मरते नहीं, वे अपने गीतों और अपने संस्कारों के माध्यम से सदैव जीवित रहते हैं। वर्तमान समय में मास्टर सतबीर सिंह की समृद्ध, गौरवशाली संगीत-परंपरा को उनके अनेक शिष्य पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। अंत में मास्टरजी के लिए यही कहना उपयुक्त होगा-बड़े गौर से सुन रहा था जमाना, तुम्हीं सो गए दास्तां कहते-कहते।

गजल | रामफल गौड़

पहलां आळे गाम रह्ये ना

पहलां आळे गाम रहये ना।
राह गोहरां के नाम रहये ना।

सौ मैं थेल्ला भरज्या करता,
चीज्जां के वैं दाम रहये ना।

करैं हैल्लो हाय, बाय-बाय,
राम सलाम कलाम रहये ना।

कुश्ती खाड़े जोर करैं थे,
दारे, चन्दगी राम रहये ना।

मौसम नैं बी पाळे बदले,
धूप अबर अर छाम रहये ना।

बाजे,ब्यास अर् लखमी साधु,
धनपत , मांगे राम रहये ना।

काळा, लील्ला, धोळा, भूरा,
बच्च्याँ के इब नाम रहये ना।

भर-भर बुगटे चाब्या करते,
ओह्ल चणे हे राम रहये ना।

दुनियां हो सै आणी-जाणी,
लछमन, सीता,राम रहये ना।

राजे अर रजवाड़े उजड़े,
राजशाही निज़ाम रहये ना।

कैन्दू, कैम्ब, संभाळू, सीरस।
गुल्लर,हींस इब आम रहये ना।

सब कुछ हुया मशीन्नी केसर,
हात्थां आळे काम रहये ना।

रागिनी | डॉ. शील कुमार

गाम का चूल्हा

जब भी संकट आया सै, गामां नै राह दिखाई सै।
सीधी-सादी जीवन-शैली, सबकै मन नै भाई सै।।

गैस सिलेंडर खातर, शहरां मैं लांबी लैन लगी।
इब क्यूकर होवै गुजारा,या महंगाई की मार घणी।
गामां मैं फेर लौट चलो, उडै कति नहीं महंगाई सै।।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

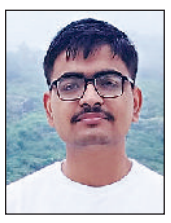

उडै देसी चुल्हा जलाकै, यो गैस का संकट मिट ज्यागा।
थोड़े से ईंधन मैं,उडै खीर-चुरमा बण ज्यागा।।
दूध,दही, घी शुद्ध मिलज्यागा, असली मिलै मलाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

माट्टी के चूल्हे मैं,जब धीमी-धीमी आग जलै।
लगै रोटी मिश्री बरगी, और अमृत जैसा साग लगै।।
चूल्हा जोडै घर के रिश्ते,रूठे मनज्यां भाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

संकट नै अवसर मानकै,हम आगै कदम बढ़ावांगें।
गामां की धरती पै, हम नया इतिहास बणावांगें।।
परंपरा-विज्ञान जोड़कै, शील नै अलख जगाई सै।
सीधी-सादी जीवन शैली.....

जब भी संकट आया सै, गामां नै राह दिखाई सै।
सीधी-सादी जीवन-शैली, सबकै मन नै भाई सै।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आस्था

1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी

शौर्य, श्रद्धा और श्रम का महासंगम है वैशाखी

पर्व | अंकुर शर्मा

हरियाणा की धरती पर ऋतुओं का परिवर्तन केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के नए आयामों का उद्घाटन है। चैत्र मास की कोमलता, नवसंवत्सर की नवचेतना और नवरात्रों की शक्ति-साधना जब अपने चरम पर पहुंचती है, तब वैशाख का आगमन होता है। यह केवल एक नया मास नहीं, बल्कि श्रम, पुरुषार्थ और उपलब्धि का उत्सव है। इसी वैशाख संक्रांति का सर्वाधिक उज्ज्वल प्रतीक है वैशाखी। हरियाणा के कृषक जीवन में वैशाखी का विशेष महत्व है।

यह पर्व रबी की फसल, विशेषकर गेहूं की कटाई और उसकी सिद्धि का उत्सव है। महीनों की कठिन मेहनत, ठंडी हवाओं में जागी रातें और तपती धूप में किया गया श्रम इस दिन साकार रूप में सामने आता है। खेतों में लहलहाती सुनहरी बालियां जब हवा के साथ झूमती हैं, तो वह दृश्य केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं, बल्कि किसान के परिश्रम का जीवंत प्रमाण होता है। इस दिन पहली दरांती चलाने से पूर्व धरती माता और अन्नदेवता का विधिवत पूजन किया जाता है, जो भारतीय कृषि संस्कृति की गहरी आस्था को दर्शाता है।लोक-मानस में वैशाखी को समृद्धि और उल्लास का प्रतीक माना गया है। लंबे परिश्रम के बाद जब किसान की देहली पर अन्न और आर्थिक स्थिरता का आगमन होता है, तो उसके चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता का भाव स्वतः झलक उठता है। यह पर्व उस श्रम-साधना का उत्सव है, जिसमें प्रकृति और पुरुषार्थ का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। वैशाखीका एक महत्वपूर्ण पक्ष हरियाणा की सामुदायिक

जीवन-पद्धति में निहित है। इस समय 'अंगा' या सामूहिक श्रम की परंपरा विशेष रूप से देखने को मिलती है। गांव के लोग आपसी सहयोग से एक-दूसरे की फसल काटने में जुट जाते हैं। यह सहयोग केवल कार्य की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का सशक्त उदाहरण है। खेतों में काम करते समय जब श्रमिक वर्ग छाछ, लस्सी, प्याज और गुड़ के साथ अपनी थकान मिटाता है, तो उसमें श्रम की गरिमा और संतोष की अनुभूति स्पष्ट दिखाई देती है। वैशाखी का महत्व केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय इतिहास और आध्यात्मिक चेतना से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह घटना भारतीय समाज में साहस, समानता और आत्मसम्मान के नवजागरण का प्रतीक बनी। हरियाणा, जो सदैव वीरता और स्वाभिमान की भूमि रहा है, इस ऐतिहासिक विरासत को आज भी अपनी सांस्कृतिक चेतना में संजोए हुए है। वैशाखी के अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन, अरदास और सेवा का आयोजन इस आध्यात्मिक परंपरा को सजीव बनाए रखता है।इस पर्व का एक और जीवंत स्वरूप हरियाणा के मेलों और लोक-उत्सवों में देखने को मिलता है। विभिन्न स्थानों पर लगने वाले मेलों में लोकजीवन की रंगीन झलक दिखाई देती है। दंगल या कुश्ती प्रतियोगिताएं इन मेलों का मुख्य आकर्षण होती हैं। अखाड़े की मिट्टी में उतरते पहलवान केवल अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं करते, बल्कि वे उस परंपरा का निर्वाह करते हैं, जिसमें शरीर और आत्मबल दोनों का सम्मान निहित है। ढोल-नगाड़ों की थाप पर गूंजती हुंकारें हरियाणा के पौरुष और उत्साह का परिचायक होती हैं। लोक-नृत्यों और गीतों के माध्यम से भी वैशाखी का उल्लास अभिव्यक्त होता है। झूमर, फाग और अन्य पारंपरिक नृत्य-शैलियां ग्रामीण जीवन की सहजता और आनंद को प्रकट करती हैं। कहीं-कहीं पंजाब के प्रभाव से भांगड़ा की झलक भी देखने को मिलती है, जो इस उत्सव को और अधिक रंगीन बना देती है। मेलों में गन्ने का रस, गुड़ की मिठास और पारंपरिक व्यंजन इस पर्व की स्वादात्मक स्मृतियों को और भी मधुर बना देते हैं।फसल कटाई के पश्चात जब श्रम का दबाव कुछ कम होता है, तब हरियाणा के गांवों में सांस्कृतिक गतिविधियों का विस्तार होता है। 'सांग' या 'स्वांग' की लोक-नाट्य परंपरा इसी समय अधिक सक्रिय हो जाती है। खुले आकाश के नीचे, साधारण मंच पर प्रस्तुत ये लोक-नाट्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते, बल्कि वे लोक-इतिहास, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना के संवाहक होते हैं। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संस्कृति के हस्तांतरण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वास्तव में वैशाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन की उस यात्रा का उत्सव है, जिसमें भावना से उपलब्धि तक और साधना से सिद्धि तक का मार्ग प्रशस्त होता है। यह हमें सिखाती है कि श्रम ही समृद्धि का आधार है और सामूहिकता ही समाज की वास्तविक शक्ति। हरियाणा की माटी में रची-बसी यह परंपरा हमें संदेश देती है कि जब मनुष्य का पुरुषार्थ और प्रकृति की कृपा एक साथ मिलते हैं, तभी जीवन में वास्तविक आनंद और संतोष की प्राप्ति होती है। यही इस पर्व का शाश्वत सत्य और हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा का सार है।

जिंदगी में हार मानना विकल्प नहीं : आकांक्षा भारद्वाज

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी फीचर फिल्म 'दादा लखमी' में बेहद प्यारी-सी मासूम छोटी बहन का किरदार निभाने वाली आकांक्षा भारद्वाज क्षेत्रीय सिनेमा में उभरती हुई कलाकार हैं। गुरुग्राम अरावली शूट के दौरान आकांक्षा से बातचीत का अवसर मिला। वह मशहूर हरियाणवी एल्बम बांदी, राजेश बब्बर निर्देशित कांड 2010 वेबसीरीज़, यशपाल शर्मा निर्देशित 'दादा लखमी' के अलावा रावण, 1600 मीटर, धुंध, प्रेम नगर और सत्या जैसे प्रोजेक्ट में अपने अभिनय से सबको चकित कर चुकी हैं। वह अपने परिश्रम और कर्मठता से अभिनय के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। अभिनय के क्षेत्र में आकांक्षा का सफ़र आसान नहीं रहा। उनकी पत्रकार बहन ने उनके अंदर के कलाकार को पहचाना और अभिनय के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया। उसके निधन के बाद उन्होंने थियेटर जॉइन किया। एक थियेटर ही था, जिसने उन्हें संभाला और वहीं से उनके अभिनय की शुरुआत हुई। फिल्म दादा लख्मी से बड़े पर्दे पर उन्हें पहला मौका मिला और बॉलीवुड एक्टर डायरेक्टर यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार के साथ काम करना उनके लिए प्रेरणादायक रहा।

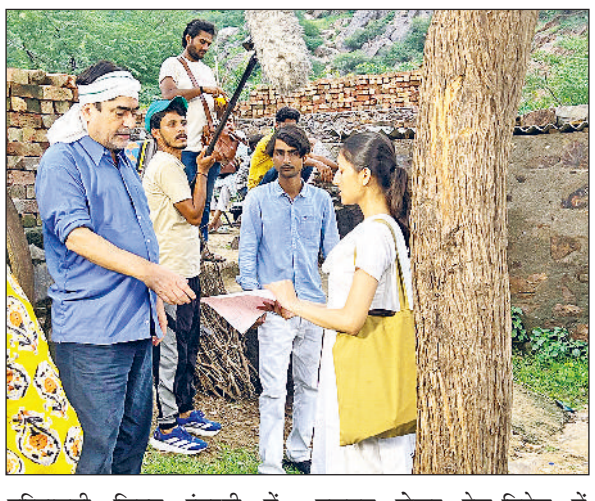

आकांक्षा की अभिनय यात्रा वर्ष 2018 से शुरू हुई थी। उनके अनुसार दीपा थियेटरिस्ट ने उन्हें पहली बार मंच पर बोलना सिखाया था। वह बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में हरियाणवी फिल्म इंडस्ट्री में कहानी, तकनीक और गुणवत्ता के स्तर पर काफी सकारात्मक बदलाव आए हैं। दादा लख्मी जैसी फिल्मों ने हरियाणा की संस्कृति और इतिहास को सम्मानजनक तरीके से बड़े स्तर पर प्रस्तुत किया है। अब नए कलाकारों को अवसर मिल रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि हरियाणवी सिनेमा आगे और मजबूत होकर देश-विदेश में पहचान बनाएगा। छोटी सी उम्र में ही दादा लखमी फिल्म में अनेक दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में वह बताती हैं कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास और सीखने वाला अनुभव रहा। इसी फिल्म के जरिए उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर खुद को देखने का मौका मिला, जो उनके लिए बहुत गर्व की बात थी। आकांक्षा हरियाणा में तो अनेक प्रोजेक्ट कर चुकी हैं लेकिन वह निश्चित रूप से बॉलीवुड में भी काम करना चाहती हैं। हर कलाकार की तरह उनका भी सपना है कि उन्हें बड़े स्तर पर काम करने का अवसर मिले और वह अपने अभिनय से व्यापक दर्शकों तक पहुंच सके। वह इसके लिए निरंतर प्रयासरत हैं और जब भी अवसर मिलता है, ऑडिशन देती रहती हैं। उनका मानना है कि मेहनत और धैर्य के साथ सही समय आने पर अच्छे अवसर जरूर मिलते हैं। फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपने काम को ईमानदारी और पूरी लगन से करते रहने पर है। क्या अभिनय को प्रोफेशन बनाकर काम किया जा सकता है, जैसे प्रश्न पर आकांक्षा का मानना है कि अभिनय को निश्चित रूप से एक पेशे के रूप में अपनाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए बहुत धैर्य और अनवरत परिश्रम की जरूरत होती है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां सफलता तुरंत नहीं मिलती, इसलिए सबसे ज़रूरी है कि इंसान अपने धैर्य को बनाए रखे और अपने काम में लगातार मेहनत करता रहे। स्वयं उनके शब्दों में - अगर आपके अंदर सीखने की इच्छा है, अपने काम के प्रति ईमानदारी है और आप हर अनुभव से कुछ नया सीखते रहते हैं तो अभिनय को एक मजबूत और सम्मानजनक प्रोफेशन बनाया जा सकता है। आकांक्षा हरियाणा में आने वाले समय में अनेक संभावनाएं देखती हैं हरियाणा में अभिनय और एंटरटेनमेंट के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं, खासकर सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कारण नए कलाकारों को पहचान मिल रही है। आज स्टेज एप, सुपवा तथा हरियाणवी कलाकारों की मेहनत और लगन से हरियाणा की भाषा और संस्कृति व फिल्मों को देश-विदेश में पहचान मिल रही है।

साबित करना है कि बेटियां किसी से कम नहीं होती

एक बेटी के रूप में आकांक्षा साबित करना चाहती हैं कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं। हर चुनौती और हर अनुभव ने उन्हें यह सिखाया है कि अगर इरादा मजबूत हो, मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुश्किल हमें रोक नहीं सकती। मैं अपनी कला के ज़रिए लोगों तक अपनी सोच, अपनी भावनाएं और अपनी मेहनत पहुंचाना चाहती हूं।

खबर संक्षेप

मातृशक्ति उद्यमिता योजना में दे रहे 3 लाख तक ऋण

झज्जर । हरियाणा सरकार की मातृशक्ति उद्यमिता योजना जिले की महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 18 से 60 वर्ष की पात्र महिलाओं को 3 लाख रुपये तक का ऋण 7 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी के साथ उपलब्ध कराया जाता है। इससे महिलाएं सिलाई-कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, डेयरी, किराना स्टोर, फूड प्रोसेसिंग व अन्य स्वरोजगार शुरू कर रही हैं। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदिका हरियाणा की निवासी हो और परिवार की वार्षिक आय 5 लाख रुपये तक ही होनी चाहिए। यह पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि रोजगार सृजन और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा दे रही है।

सीआईटीयू का 16 अप्रैल को प्रदेशभर में प्रदर्शन

झज्जर। मानेसर में मजदूर आंदोलन पर कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में सीआईटीयू द्वारा आगामी 16 अप्रैल को प्रदेशभर में प्रदर्शन करने की घोषणा की गई है। सीआईटीयू की जिला कंवीनर किरण व सह कंवीनर संदीप ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि मजदूरों का शोषण बढ़ रहा है और उनसे 12 से 14 घंटे काम लिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सहमति के बावजूद 23,196 रुपये के बजाय 15,220 रुपये वेतन घोषित कर मजदूरों के साथ अन्याय किया गया है। उन्होंने 55 मजदूरों की गिरफ्तारी को ट्रेड यूनियन अधिकारों पर हमला बताते हुए उनकी बिना शर्त उनकी रिहाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा सोमवार को ज्ञापन व 16 अप्रैल को विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान मजदूरों के झूठे मुकदमे वापिस लेने, न्यूनतम वेतन लागू करने और मृत मजदूरों के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग उठाई जाएगी।

अज्ञात कारणों से व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान

झज्जर । क्षेत्र के गांव बिरोहड़ में एक व्यक्ति ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मूल रूप से महेंद्रगढ़ जिले के गांव छित्तरौली निवासी करीब 55 वर्षीय जोगेंद्र पुत्र भगवान सिंह के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार जोगेंद्र बिरोहड़ गांव में अपनी बहन के पास रहता था। परिजनों के बयान पर इस मामले में इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

ड्राइक्लीन कर्मचारी की अचानक हुई मौत

बहादुरगढ़। शहर के बराही रोड स्थित नेहरू पार्क इलाके में रहने वाले 68 वर्षीय मन्नू रजक की रविवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मूल रूप से बिहार के गया जिले के निवासी मन्नू रजक यहां एक ड्राइक्लीन शॉप पर काम करता था। रविवार सुबह अचानक उसकी तबीयत खराब हुई, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक (हृदयघात) माना जा रहा है।

खरीद व उठान कार्य धीमा होने से किसान व आढ़ती परेशान

गेहूं उठान के आउट गेट पास 6 बजे तक बनते हैं, रात 12 बजे तक करने की मांग

अब तक 97 हजार 951 मीट्रिक टन गेहूं की आवक, 30 हजार 143 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। स्थानीय अनाजमंडी में उठान धीमा होने से लगे गेहूं के ढेर। फोटो : कुमार राकेश कायत)

जिले की मंडियों और खरीद केंद्रों पर गेहूं की आवक निरंतर बढ़ रही है, लेकिन उठान उस गति से नहीं हो रहा। आढ़तियों का कहना है कि उठान कार्य में लगे वाहनों के गेट पास सायं 6 बजे के बाद नहीं न रहे, जबकि श्रमिक रात 12 बजे तक लोडिंग में जुटे हैं। ऐसे में उठान के लिए गेट पास का समय भी रात 12 बजे तक किया जाए।

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि अब तक 97 हजार 951 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की गई है, जबकि 30 हजार 143 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि स्थानीय अनाज मंडी में 37 हजार 615 मीट्रिक टन, बादली अनाज मंडी में 7573 मीट्रिक टन, ढाकला अनाज मंडी में 11 हजार 312 मीट्रिक टन, बेरी अनाज मंडी में 5679 मीट्रिक टन, मातनहेल अनाज मंडी से 20 हजार 187 मीट्रिक टन, माजरा डी खरीद केंद्र पर 3 हजार 365 मीट्रिक टन, छारा खरीद केंद्र पर 7 हजार 520 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ अनाज मंडी पर 540 मीट्रिक टन तथा आसौदा खरीद केंद्र पर 4160 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज हुई है।

उन्होंने बताया कि स्थानीय अनाज मंडी में 12 हजार 321 मीट्रिक टन, बादली अनाज मंडी में 2708 मीट्रिक टन, ढाकला अनाज मंडी में 4 हजार 634 मीट्रिक टन, बेरी अनाज मंडी 2849 मीट्रिक टन, मातनहेल अनाज मंडी से 11 हजार 948 मीट्रिक टन, माजरा-डी खरीद केंद्र पर 1 हजार मीट्रिक टन, छारा खरीद केंद्र पर 1 हजार 602 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ अनाज मंडी पर 439 मीट्रिक टन तथा आसौदा खरीद केंद्र पर 3123 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि खरीद केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो पाए, इसके लिए अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने मौसम को देखते हुए खरीद एजेंसियों को भी जल्द से जल्द उठान कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बहादुरगढ़ मंडी में 23 गेट पास जारी

बहादुरगढ़। क्षेत्र की अनाज मंडियों में इन दिनों गेहूं की आवक में तेजी देखी जा रही है, जिससे मंडियों में जगह की कमी और उठान की समस्या बढ़ने लगी है। बहादुरगढ़ मंडी में रविवार को 23 गेट पास जारी हुए और 1084 क्विंटल गेहूं आया। यहां अब तक 115 गेट पास जारी हुए हैं और 5965 क्विंटल गेहूं आया है। दरअसल, मौसम साफ होने के बाद नमी कम हुई है, जिससे खरीद प्रक्रिया तेज हुई है, फिर भी धीमी उठाव के कारण किसानों को परेशानी हो रही है। आसौदा अनाज मंडी में रविवार को 121 गेट पास जारी हुए और 5672 क्विंटल गेहूं आया। जबकि यहां अब तक 1334 गेट पास जारी हुए हैं और 34 हजार 949 क्विंटल गेहूं आ चुका है। हालांकि आवक के मुकाबले उठाव धीमा है, जिससे मंडियों में गेहूं के ढेर लग रहे हैं। अब तक 11 हजार 800 क्विंटल गेहूं की लिफ्टिंग हो चुकी है।

कृषि मंत्री राणा के समक्ष रखीं नंबरदारों की मांगें

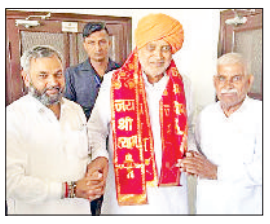

बहादुरगढ़। मंत्री राणा का स्वागत करते शतीश नंबरदार व हुकम सिंह।

बहादुरगढ़। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा से मिलकर नंबरदार एसोसिएशन बहादुरगढ़ के प्रधान शतीश नंबरदार ने उनके समक्ष नंबरदारों की विभिन्न समस्याओं व मांगों को रखा।

रविवार को शहर के रेस्ट हाउस में पहुंचे मंत्री श्याम सिंह राणा का एसोसिएशन के संरक्षक हुकम सिंह नंबरदार व प्रधान शतीश नंबरदार ने स्वागत किया। उन्होंने बताया कि 23 नवंबर 2021 से नए नंबरदारों की नियुक्ति प्रक्रिया बंद है। इसे तुरंत प्रभाव से दोबारा शुरू किया जाए। उन्होंने सरबराह नंबरदार की नियुक्ति प्रक्रिया को भी शीघ्र बहाल करने की मांग उठाई। शतीश नंबरदार ने कहा कि नंबरदारों का मानदेय 3 हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। मंत्री श्याम सिंह राणा ने इन सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया।

लाइनपार के नेताजी नगर में लगा टीकाकरण कैंप

बहादुरगढ़। कैंप में बच्चियों को जागरूक करते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। रविवार को लाइनपार के नेताजी नगर में स्थित अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ह्यूमन पोपिलोमा वायरस टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। मेडिकल ऑफिसर डॉ. रोहित, डॉ. रवि और एएनएम मंजू कुमारी की देखरेख में लगे कैंप में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचने के लिए समय पर टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. रोहित ने बताया कि महीने के हर दूसरे रविवार को विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाता है। कैंप के आयोजन में आशा वर्कर मुकेश, पूनम और सुनीता का विशेष सहयोग रहा।

झज्जर। शिविर में उपस्थित चिकित्सकीय टीम व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य जांच शिविर में 137 लोगों ने कराई जांच

झज्जर। क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर में रविवार को एक निःशुल्क रीढ़ स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के आयोजक रामचंद्र गुर्जर ने बताया कि सुबह दस बजे दोपहर दो बजे तक चले इस शिविर में श्रीबालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट से डॉक्टर एचएस छाबड़ा की चिकित्सकीय टीम द्वारा पुनर्वास मूल्यांकन एवं परामर्श के साथ-साथ लोगों की बीपी, सीबीसी, ब्लड शुगर जांच की गई। इस दौरान कुल 137 लोगों ने स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ उठाया। इस मौके पर रामचंद्र, हरीकिशन, भाजपा नेता मनीष बंसल रामधन, महावीर, प्रकाश, पंडित सहजराम, कृष्ण धनखड़, बलजीत सरपंच बोड़िया, एडवोकेट संजय कहाड़ी, सन्नी, सौरभ, मास्टर सोनाराम, मास्टर बलबीर, अभय सिंह, प्रेम सिंह, जगदीश कमांडो, एएसआई धर्मबीर, प्रदीप माजरा, वेदपाल, रण सिंह नंबरदार, सोम सरपंच सिकंदरपुर, आनंद सरपंच बाजितपुर, राजपाल, सुखबीर, रामनिवास, मनन, जतिन, विकास, महेश, दीपक, दीपांशु, प्रवीण पहलवान, कैप्टन नारायण सिंह, सत्तू, मंगल, डॉक्टर राकेश, धीरज, पूर्व पार्षद सुंदर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण विधियों और नैतिक मूल्यों के विकास की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं रिसोर्स पर्सन्स।

- कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल बिरड़ में कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम

कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल बिरड़ में सीबीएसई द्वारा आयोजित कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑन वेल्यू एजुकेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन रिसोर्स पर्सन सीमा सैनी और मुकेश लता ने किया। उन्होंने वेल्यू एजुकेशन के महत्व, प्रभावी शिक्षण विधियों तथा विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान इंटरेक्टिव सत्र, समूह गतिविधियों और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट शरद राव ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिक्षकों की दक्षता बढ़ाने में सहायक हैं। प्राचार्य एवं वेन्यू डायरेक्टर डॉक्टर मनजीत कुमार ने सभी प्रतिभागियों, रिसोर्स पर्सन्स और आयोजन टीम का आभार व्यक्त किया।

पानी की मोटर चोरी मामले में एक आरोपी को पकड़ा

झज्जर। पुलिस टीम के साथ पानी की मोटर चोरी का आरोपी।

झज्जर । क्षेत्र के गांव कुलाना स्थित शिव मंदिर से पानी की मोटर चोरी करने के मामले में जिला पुलिस द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। माछरौली थाना प्रभारी रामअवतार ने बताया कि बीती 11 अप्रैल को कुलाना निवासी अजीत ने शिकायत दी थी कि मंदिर की पानी की मोटर चोरी हो गई है। मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान सिपाही संदीप कुमार की टीम ने गुरुग्राम जिले के सेक्टर-92 वजीरपुर निवासी आरोपी अमित को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटर और वारदात में प्रयोग की गई मोटरसाइकिल बरामद भी की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर पहले भी तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे स्थानीय अदालत में पेश किया गया जहां से माननीय अदालत के आदेशानुसार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

डेढ़ माह पहले नाला तोड़कर भूला विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। खुले नाले के साथ खड़े दुकानदार व नाला में गिरा हुआ पत्थर।

- धौड़ चौक से रोहतक जाने वाले मार्ग पर बना हादसे का अंदेशा

धौड़ चौक से रोहतक जाने वाले मार्ग पर निर्माण के लिए तोड़ा गया नाला दुकानदारों की परेशानी का कारण बना हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि पुनर्निर्माण के लिए पिछले करीब डेढ़ माह पहले नाला तोड़ा गया था। दुकानदार संजय, संदीप, काले, सुनील, सुमित, विजय, राहुल, मुन्ना, नवीन, प्रदीप, प्रवेश, कुलदीप आदि ने बताया उस समय नाले पर रखे गए ढक्कन व पक्की स्लैब को तोड़ दिया गया। कर्मचारियों द्वारा नाले के किनारे लगे सरिये भी निकाल लिए गए। इसके बाद अभी तक न तो नाला निर्माण हुआ है और न ही इसे ढका गया है। दुकानदारों का कहना है कि दुकानों के साथ लगते इस नाले के कारण उन्हें आवागमन व वाहन खड़ा करने में परेशानी आती है। कुछ दुकानदारों द्वारा अस्थाई रास्ता बनाते हुए इस पर पत्थर की टुकड़ियां डाली गई हैं लेकिन ऐसे में भी गिरने का भय बना रहता है। नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि मामला अब उनके संज्ञान में आया है। जल्द ही नाला निर्माण करवा दिया जाएगा। आमजन को परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

नाले में गिर रहा मलबा व कचरा : दुकानदारों ने बताया कि खुला नाला होने के कारण जहां इसमें दुकानों से निकला कचरा गिरता रहता है वहीं इसमें पत्थर भी गिरे हुए हैं। नाला अवरुद्ध होने के कारण यहां दिनभर बदबू फैली रहती है। वे दिनभर बदबूदार माहौल में बैठने को मजबूर हैं। नगर परिषद को चाहिए कि वह या तो शीघ्र नाला निर्माण कराए या फिर इसे ढककर उन्हें समस्या छुटकारा दिलाया जाए।

एक दुकानदार भी हो चुका है चोटिल

ऑटोमाबाइल व ई-रिक्शा रिपयेरिंग की दुकान चलाने वाले दुकानदार हरी ने बताया कि करीब पांच दिन पहले जब दुकान पर ई-रिक्शा ठीक कराने वाले ग्राहकों की भीड़ लगी थी और उनकी मरम्मत में जुटा था। इसी दौरान वह कुछ सामान लेने के लिए नाला फांदकर दुकान के अंदर जाने लगा तो उसका पांव फिसल गया और वह नाले में जा गिरा। इस घटना में उसके पांव में चोट लगी। हरी ने बताया कि खुले नाले कारण रात के समय बेसहारा पशुओं के नाले में गिरने की आशंका भी बनी रहती है।

आमजन के लिए आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर । आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ये शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे, जहां नागरिकों की शिकायतों का मौके पर ही निपटान किया जाएगा। जिला स्तरीय शिविर लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल की अध्यक्षता में होगा।

इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सुनकर अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए जाएंगे। इनके अलावा उपमंडल स्तर पर बेरी, बहादुरगढ़ और बादली के लघु सचिवालयों में संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में शिविरों का आयोजन होगा। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि समाधान शिविर प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम हैं, जिससे लोगों को एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान मिल सके।

झज्जर। शिविर में पहुंचे लोगों की बीपी व नेत्र जांच करते हुए चिकित्सक।

नेत्र जांच शिविर में 352 लोगों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

क्षेत्र के गांव कुलाना में बैसाखी के उपलक्ष्य में भाटिया चेरिटेबल आई हॉस्पिटल रोहतक की टीम द्वारा एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। एलपीएस बोसार्ड रोहतक के एमडी राजेश जैन के सहयोग से आयोजित इस शिविर का शुभारंभ पूर्व सरपंच दिनेश चौहान ने किया। सेवानिवृत्त नेत्र सर्जन डॉक्टर एसपीएस भाटिया द्वारा शिविर में पहुंचे 352 लोगों की नेत्र जांच की गई। इनमें से 28 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया जिन्हें रोहतक रेफर किया गया है। डॉक्टर भाटिया ने लोगों को आंखों का बचाव करने व उनकी उचित देखभाल करने संबंधी जानकारी भी दी। इस मौके पर डॉक्टर आनंद, भूपेंद्र सिंह, कप्तान जगदीश सिंह, राकेश शर्मा, रूबी, पूनम सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी को बताया नाकाफी

बहादुरगढ़। मजदूर कल्याण मंच की लोकल कमेटी सचिव लालजी तथा जिला कमेटी सचिव सतीश कुमार ने हरियाणा सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम मजदूरी 15 हजार 220 रुपए प्रति महीना करने की कड़ी निंदा की। उन्होंने दोहराया कि केवल घोषणा कर देने से सभी कंपनियों में न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा है। कामरेड लालजी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन में की गई बढ़ोतरी नाकाफी है। पिछला न्यूनतम वेतन 2015 में दिया गया था। उसके 5 साल बाद न्यूनतम वेतन 2020 में आना चाहिए था और उसके 5 साल बाद अप्रैल 2025 में दिया दिया जाना था। लेकिन सरकार और मालिकों की मिलीभगत होने के चलते तकरीबन 11 साल बाद ये बेहद कम बढ़ोतरी की गई है।

विधायक के 800 करोड़ के दावे पर पूर्व विधायक ने उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- राजेंद्र जून ने कहा कि जनता को कागजी योजनाएं दिखाकर गुमराह किया जा रहा है

बीते दिनों विधायक राजेश जून ने बहादुरगढ़ में 800 करोड़ रुपये के विकास कार्य मंजूर करवाने का दावा किया था, जिस पर पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि यह दावा सिर्फ कागजों में ही दिखाई दे रहा है, धरातल पर अब तक ये काम नहीं नजर आए। उन्होंने कहा कि जनता को कागजी योजनाएं दिखाकर गुमराह किया जा रहा है।

राजेंद्र जून ने कहा कि विधानसभा में वही नेता ज्यादा बोलते हैं, जिनकी सरकार में नहीं चलती। जबकि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बहादुरगढ़ में मेट्रो, नागरिक अस्पताल और दक्षिणी बाइपास जैसे कई महत्वपूर्ण विकास कार्य करवाए। लेकिन मौजूदा विधायक सिर्फ कागजों पर योजनाएं दिखाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्हें आम जनता के कामों से कोई सरोकार नहीं है। राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि बहादुरगढ़ की जनता विकास चाहती है, लेकिन वर्तमान में विकास के नाम पर केवल घोषणाएं और कागजी योजनाएं ही देखने को मिल रही हैं।

गाय को राष्ट्र पशु का दर्जा देने की मांग

बहादुरगढ़। गांव आसोदा में गाय माता को राष्ट्र पशु का दर्जा दिलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। युवाओं ने जागरूकता पदयात्रा निकाली। यह यात्रा दादा बूढ़ा मंदिर से शुरू होकर गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए मंदिर में ही समाप्त हुई। रोहतास कोच, विनोद व अन्य बुजुर्गों ने इसे रवाना किया। जींद से आए गौ सेवक तेजवीर और युद्धवीर ने बताया कि वे सालों से नंगे पैर रहते हैं व अन्न का त्याग किए हुए हैं। उन्होंने प्रतिज्ञा ले रखी है कि जब तक गौ माता को राष्ट्र स्तर पर पहचान नहीं मिलती, तब तक वह नंगे पैर रहेंगे और अन्न का ग्रहण नहीं करेंगे। कार्यक्रम में कुलदीप आर्य, अंकित, सुनील आर्य, मोहित, मनजीत, विकास, जतिन, नवीन, नीरज, साहिल, दिनेश, मोंटी, हर्ष, अर्जुन, अमित व राहुल आदि शामिल हुए।

प्रेसवार्ता 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाएगा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाएं बनेंगी नीति निर्माता : प्रियदर्शिनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शिनी।

भाजपा के कमलम कार्यालय में रविवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शिनी ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को नीति निर्माता बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सशक्त करेगा और देश के लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाएगा। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से उन्हें और अधिक अवसर प्राप्त होंगे, जिससे देश के विकास को नई गति मिलेगी। इस दौरान सुनीता चौहान, सोमवती जाखड़, सरोज राठी व कमलेश अत्री ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में भागीदार बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है, जिससे विकसित भारत-2047 का लक्ष्य साकार होगा। इस मौके पर भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद हेरिटेज नाइट रन में 35 धावकों ने लिया हिस्सा

तीन इवेंट्स में जीते बीआरजी के धावक

हेमदत्त ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप-10 में जगह बनाई। द्वारका में हुई भूजलवायु हाफ मैराथन में बीआरजी के 80 धावकों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। इवेंट में जीत के बाद पुरस्कार लेते बीआरजी के धावक। फोटो : हरिभूमि

बीआरजी के धावकों ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए महज 12 घंटों के भीतर 3 बड़े रनिंग इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। गाजियाबाद हेरिटेज नाइट रन में बीआरजी के 35 धावकों ने हिस्सा लिया। दीपक छिल्लर और किरण छिल्लर इवेंट के एंबेसडर थे।

दौड़ में सत्यवान डागर, रणबीर सिंह सांगवान, आरके मोर, नवीन, ब्रह्मप्रकाश मान, हेमदत्त, शमशेर, आकाश, सोनिया, देवेंद्र किशोर प्रसाद, गुलाब सिंह और राजपाल आदि ने दौड़ लगाई। हेमदत्त ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप-10 में जगह बनाई। द्वारका में हुई भूजलवायु हाफ मैराथन में बीआरजी के 80 धावकों ने भाग लिया।

प्रीति ने 10 किलोमीटर में दूसरा स्थान, किरण नरूला ने 5 किलोमीटर में दूसरा स्थान और सूरज सिंह बिष्ट ने 10 किलोमीटर में प्रथम स्थान हासिल किया। रविंद्र दहिया, देवेंद्र दहिया, अभय श्रीवास्तव, पन्नेलाल यादव, राजेश सैनी, प्रदीप, अंकित राणा, अभय टेटे, अवधेश कुमार, करण गौतम, अभिमन्यु, नरेंद्र सिंह, नरेंद्र कुमार, सुरेंद्र सिंह, यश लखेड़ा, नवीन कुमार, संतोष बंसल, किरण छिल्लर, अमनदीप, नितिन राणा, नवीन डाबास, हंसराज विजयरण और उज्जवल गौर ने भी दौड़ लगाई।

नोएडा में हुई रन फॉर रिमेंब्रेंस में अपनी-अपनी श्रेणी में गुलाब सिंह ने दूसरा, गीता ने पहला, ललिता पांडे ने द्वितीय, ब्रह्मप्रकाश मान ने प्रथम, आरके मोर ने द्वितीय, राजपाल ने प्रथम, शमशेर सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

यश यादव ने नागपुर में जीता गोल्ड मेडल

बहादुरगढ़। महाराष्ट्र के नागपुर में हुई अंडर-17 जूनियर ब्वॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गांव बालौर के यश यादव ने 50 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल जीता है। कोच राहुल सैनी ने बताया कि फाइनल में सर्विसेज के खिलाड़ी को यश यादव ने दमदार मुक्कों और बेहतरीन तकनीक से परास्त किया। यश बहादुरगढ़ की बजरंग बॉक्सिंग अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। जल्द ही उज्बेकिस्तान में आयोजित प्रतियोगिता में भी यश भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा दिखाएगा।

प्राकृतिक चिकित्सा का महत्व समझाया

स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न बीमारियों से बचने के तरीके बताए

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। प्राकृतिक चिकित्सा व सात्विक भोजन के बारे में बताते अजीत आनंद।

शहर की ओमेक्स सिटी में स्थित श्रीराम मंदिर प्रांगण में रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में मोटापे, पेट रोग, बीपी, शुगर, थायराइड, माइग्रेन और स्ट्रेस जैसी बीमारियों की जांच व परामर्श दिया गया। इसमें प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और योग के माध्यम से उपचार की जानकारी दी गई

शिविर का आयोजन आरोग्यकुंज एवं योग मंदिर ट्रस्ट के साथ ही सात्विक लाइफ स्टाइल द्वारा किया गया। डॉ. अजीत आनंद और डॉ. बीके लवकेश ने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा और सात्विक भोजन शरीर को बिना दवाओं के ठीक करने और मानसिक शांति बढ़ाने की प्राचीन विधाएं हैं। प्राकृतिक चिकित्सा मिट्टी, पानी, धूप और हवा का उपयोग करती है, जबकि सात्विक भोजन ताज़ा, शाकाहारी और पौष्टिक होता है। यह संयोजन पाचन में सुधार, ऊर्जा वृद्धि, और तनाव कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। शिविर में मसाज और शिरोधारा जैसी प्राकृतिक उपचार पद्धतियों का भी प्रदर्शन किया गया। ब्रह्मकुमारी संस्था के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर का अनेक लोगों ने लाभ उठाया।

बहादुरगढ़। नूना माजरा में हरिनाम संकीर्तन करते इस्कॉन के अनुयायी। फोटो : हरिभूमि

नूना माजरा और बामड़ोली में किया संकीर्तन

बहादुरगढ़। दुनिया भर में तनाव और युद्ध जैसे हालात के बीच विश्व शांति की कामना के साथ रविवार को इस्कॉन द्वारा गांव बामड़ोली व नूना माजरा में हरीनाम संकीर्तन किया गया। इन दोनों गांवों में हरे राम-हरे कृष्ण के संकीर्तन की गूंज सुनाई दी। भक्तों ने भजन-कीर्तन के माध्यम से शांति और सद्भाव का संदेश दिया। मृदंग और मंजीरों की मधुर धुनों के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिनाम संकीर्तन में शामिल हुए। इस्कॉन से जुड़े लोगों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर विश्व की खुशहाली और शांति के लिए प्रार्थना की। इस्कॉन बहादुरगढ़ के पदाधिकारी नित्यानंद आश्रयदास ने बताया कि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर विशेषकर मध्य-पूर्व सहित कई क्षेत्रों में युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। विक्रम महेशवरी ने बताया कि बहादुरगढ़ के गांव बामड़ोली व नूना माजरा में भी सैकड़ों लोगों ने हरिनाम संकीर्तन में भाग लेकर विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की।

बहादुरगढ़। पदक विजेता जयवीर अखाड़े के पहलवान। फोटो : हरिभूमि

जयवीर अखाड़े के पहलवानों ने जीते 3 पदक

बहादुरगढ़। छत्तीसगढ़ में हुई जूनियर नेशनल रेस्लिंग चैंपियनशिप में बुपनिया के जयवीर अखाड़े के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 गोल्ड मेडल समेत 3 पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। पहलवानों की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कोच जयवीर बुपनिया ने बताया कि भिलाई में आयोजित हुई प्रतियोगिता अखाड़े के पहलवान ने फ्री स्टाइल कुश्ती में बेहतरीन प्रदर्शन किया। निखिल ने 92 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल हासिल किया। अरुण ने भी 86 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अखाड़े का नाम रोशन किया। इसके अलावा 79 किलोग्राम वर्ग में पारस ने रजत पदक जीता। खेल प्रेमियों और ग्रामीणों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जैन सेवा मंडल ने ग्रीन मिशन के तहत लगाए पौधे

चेयरपर्सन सरोज राठी ने पौधा लगाकर किया अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। जैन समाज के लोगों के साथ पौधा लगाती चेयरपर्सन सरोज राठी।

रविवार को जैन सेवा मंडल बहादुरगढ़ द्वारा विश्व णमोकार दिवस पर ग्रीन मिशन 2026 के अंतर्गत वृक्ष लगाओ–जीवन बचाओ अभियान चलाया गया। इसके तहत जैन समाज के लोगों ने दिल्ली-रोहतक रोड स्थित नागरिक अस्पताल के नजदीक ग्रीन बेल्ट में उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर पौधारोपण किया और लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अजय जैन के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में जैन समाज के सभी वर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य का संकल्प लिया। चेयरपर्सन सरोज राठी ने जैन सेवा मंडल बहादुरगढ़ की सराहना की। कार्यक्रम में पवन जैन व डॉ पंकज जैन ने भी जैन सेवा मंडल के कार्यक्रम को सराहा।

पौधरोपण कार्यक्रम में अश्वनी जैन, शशि जैन, नरेंद्र जैन, सुनील जैन, राजीव जैन, दीपक जैन, सौरभ जैन, हिमांशु जैन, अमांशु जैन, अभिनंदन जैन, संयम जैन, दिव्या जैन, दीपांशु जैन, मुनीष जैन, पीयूष जैन, हार्दिक जैन, मोहित जैन, शैला जैन, रीना जैन, पूजा जैन, शिवानी जैन आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

बहादुरगढ़। चेयरपर्सन को मांग पत्र सौंपते पार्षद और वार्ड वासी। फोटो : हरिभूमि

चेयरपर्सन ने किया वार्ड-8 का दौरा, सुनीं समस्याएं

बहादुरगढ़। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने रविवार को वार्ड नंबर-8 का दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का आश्वासन दिया। पार्षद प्रवीण छिल्लर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं। इस दौरान पार्षद ने वार्ड में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। चेयरपर्सन सरोज राठी ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मौके पर पार्षद राजेश तंवर, फूल सिंह, जयभगवान, बल्ली, रामस्वार्थ, बलराज, जितेंद्र पहलवान, रमेश कौशिक, हरमिंदर, जयबीर, सोनू राणा, मनीष, राजेंद्र जागड़ा, कृष्णा, हरीराम, सतबीर, मनमोहित गुप्ता, हेमंत, कमला, ललिता, बिमला, राजबाला, संतोष, रेखा और भतेरी आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपाई।

आंबेडकर के दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान

बहादुरगढ़। शहर के किला मोहल्ला में वाल्मीकि वीर सेना द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। समारोह में भाजपा के मंडल अध्यक्ष एवं ग्रीवेंस कमेटी मेंबर संजय सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। सैनी ने कहा कि आज देश डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान से चल रहा है। उन्होंने दबे-कुचले लोगों को ऊपर उठाने के लिए कानून बनाए। भाजपा एससी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष विनय वाल्मीकि ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर हम सबके प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे। महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता पंवार ने भी डॉ. आंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद संदीप कुमार, शमशेर वाल्मीकि, अजय, सुशील, सतीश, विनोद वाल्मीकि, अनिल, रविंद्र, पप्पू, कृष्ण प्रधान व केवल राम आदि उपस्थित रहे।

कानोंदा में लगाया ओरल हेल्थ चेकअप कैंप

बहादुरगढ़। गांव कानोंदा में स्वास्थ्य विभाग की पहल पर बड़ी चौपाल, राजकीय स्कूल और गणेश भट्ठा परिसर में ओरल हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इन कैंपों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कानोंदा की टीम ने ग्रामीणों के दांत और मुंह से जुड़ी बीमारियों की जांच की और उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। कैंप के दौरान डॉ. श्रद्धा ने ग्रामीणों को मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि दांतों और मसूड़ों की सही देखभाल न करने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। उन्होंने नियमित ब्रश करने, समय-समय पर जांच करवाने और तंबाकू से दूर रहने की सलाह दी। मौके पर एएनएम सुनीता और सीमा भी मौजूद रहीं, जिन्होंने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी और जागरूकता अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कैंप समय-समय पर लगने चाहिए, ताकि लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का अवसर मिल सके।

श्याम संकीर्तन में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

बहादुरगढ़। शहर के राधा कृष्णा गार्डन में श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें असंख्य श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई। युवा भाजपा नेता नकुल दिनेश कौशिक ने बाबा श्याम की पूजा अर्चना करते हुए क्षेत्रवासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना की। महोत्सव की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना और ज्योति प्रज्ज्वलन के साथ हुई। नकुल कौशिक ने कहा कि बाबा श्याम जी की भक्ति लोगों को जीवन में धैर्य, सेवा और समर्पण का संदेश देती है। देर रात तक चले इस संकीर्तन महोत्सव में श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में डूबकर बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया।

भंडारे के साथ श्री शिव महापुराण कथा संपन्न

बहादुरगढ़। शहर के बसंत विहार कॉलोनी में मेला ग्राउंड रोड पर आयोजित श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव का रविवार को भव्य समापन हुआ। गत 5 अप्रैल से शुरू हुई इस धार्मिक कथा का समापन हवन और भंडारे के बीच श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कथा के दौरान कथावाचक आचार्य विष्णु कौशिक जी महाराज ने भगवान शिव की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और सत्कर्मों का संदेश दिया। कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भक्ति भाव से कथा श्रवण किया। समापन अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति देकर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें असंख्य लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पंडित महेश चंद्र ने बताया कि जन कल्याण के उद्देश्य से यह कथा आयोजित की गई थी और इसमें क्षेत्र के लोगों का भरपूर सहयोग मिला। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण हर हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। उन्होंने सभी सहयोगियों, श्रद्धालुओं और सेवाभावी लोगों का आभार व्यक्त किया।

बहादुरगढ़। कथा समापन पर शिव की महिमा बताते आचार्य विष्णु कौशिक जी महाराज।

बहादुरगढ़। समापन सत्र में अपनी बात रखते आर्य सत्यपाल वत्स। फोटो : हरिभूमि

लोगों को स्वस्थ व संयमित जीवन की ओर किया प्रेरित

आत्मशुद्धि आश्रम में तीन दिवसीय आध्यात्मिक शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के आत्मशुद्धि आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क आध्यात्मिक शिविर का रविवार को विधिवत समापन हो गया। शुक्रवार से शुरू हुए इस शिविर में रविवार तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और साधकों ने भाग लिया।

शिविर के अंतिम दिन रविवार को प्रातः यज्ञ के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। यज्ञ व्यवस्था का संचालन आचार्य विक्रमदेव नैष्ठिक ने किया। इसके बाद योग दर्शन, सूत्र व्याख्यान और शिविरार्थियों के अनुभव साझा करने का विशेष सत्र आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों ने अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा करते हुए शिविर को जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला बताया। शिविर के दौरान यज्ञ, योग, प्रवचन और शंका समाधान जैसे विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। योगाचार्य स्वामी विवेकानंद परिव्राजक ने योग साधना का मार्गदर्शन किया। कैप्टन महेंद्र सिंह पंवार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। समापन अवसर पर शांतिपाठ एवं प्रसाद वितरण के साथ श्रद्धालुओं को विदाई दी गई। ट्रस्ट के उपप्रधान आर्य सत्यपाल वत्स ने बताया कि समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ व संयमित जीवन की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के सफल आयोजन में आश्रम के संचालक मंडल व सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण स्थल : डीसी

संस्कारम यूनिवर्सिटी में प्रसिद्ध पंजाबी गायक मनकीरत औलख ने बिखेरा सुरों का जादू

स्टार नाइट कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों का दिल जीता

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम में श्रोताओं को संबोधित करते गायक कलाकार मन कीरत औलख।

गांव पाटौदा स्थित संस्कारम यूनिवर्सिटी में रविवार की शाम संगीत और उत्साह से उस समय सराबोर हो गई जब प्रसिद्ध पंजाबी गायक मनकीरत औलख ने स्टार नाइट कार्यक्रम में अपनी शानदार प्रस्तुति से हजारों विद्यार्थियों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गायक मनकीरत औलख के भव्य स्वागत के साथ की गई। जैसे ही मनकीरत औलख और जोत सिद्धू मंच पर पहुंचे, पूरा परिसर तालियों और उत्साह से गूंज उठा।

उन्होंने अपने लोकप्रिय गीतों से जहां युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया, वहीं भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने वातावरण को भावनात्मक रंग भी दिया। उनकी प्रस्तुति में आधुनिक संगीत की ताजगी के साथ-साथ पारंपरिक सुरों की गहराई भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जिसने हर वर्ग के श्रोताओं को प्रभावित किया। मंच से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मनकीरत औलख ने कहा कि संस्कारम यूनिवर्सिटी का माहौल अद्भुत है। यहां की ऊर्जा और विद्यार्थियों का उत्साह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा। संगीत हमारे दिलों को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण स्थल है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है, जो युवाओं को केवल करियर के लिए ही नहीं, बल्कि जीवन के मूल्यों के लिए भी तैयार करें। संस्कारम विश्वविद्यालय इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉक्टर अजीत सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में उत्कृष्ट स्टेज डिजाइन, साउंड और लाइटिंग व्यवस्था की उपस्थित जनसमूह द्वारा सराहना की गई। देर शाम तक चले इस आयोजन की झलकियां सोशल मीडिया के माध्यम से देश-विदेश तक भी पहुंची।

बाबा गोपाल दास की पुण्यतिथि पर संतों का किया गुणगान

झज्जर। शहर की किला कॉलोनी स्थित आनंद आश्रम में रविवार को बाबा गोपाल दास की पुण्यतिथि मनाई गई। आश्रम के महंत अजय दास महाराज ने बताया कि सुबह प्रसाद बनाकर आश्रम में स्थापित बाबा गोपाल दास सहित व अन्य महात्माओं की प्रतिमा को भोग लगाया गया। इससे पूर्व रात्रि सत्संग का आयोजन किया गया जिसमें गायक कलाकार नंदू वर्मा, रजनीश, हर्ष डोगरा,सुंदर नाथ, उमाशंकर वर्मा, दीपक, ओमकार, सुरेश आदि द्वारा मधुर भजनों के माध्यम से संतों की महिमा का गुणगान किया। इस दौरान राकेश, रोशनी देवी, महेश, जयपाल, अजीत, काले, कल्लू भगत, अनिल, जयपाल सैनी, सुरेंद्र सैनी, अमित पंछी, दिन्ना, बिमला, अनीता, नान्ही देवी, निर्मला सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

झज्जर। टिल्ला मोहल्ला स्थित प्राचीन शिव मंदिर में रविवार को श्रीहनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। प्राचीन मंदिर में आयोजित तीसरे आयोजन में पहले श्रीरामचरितमानस पाठ हुआ तथा उसके उपरांत हवन किया गया। हवन की पूर्णाहुति में प्राचीन शिव मंदिर समिति के सदस्य दिल्ली निवासी नवीन शांडिल्य, बृजभूषण शांडिल्य, ओमी शांडिल्य व शाहदरा निवासी कपिल वशिष्ठ शामिल रहे। इस मौके पर नगर परिषद वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि प्रवीन गर्ग, जिला व्यापार मंडल के अध्यक्ष केशव सिंघल, मुन्ना हरित, पुरोहित मीनू शर्मा, मंदिर के पुजारी रमेश शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005